वी.यू. द्वारा फार्मर फर्स्टज परियोजना एवं अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत अंगीकृत ग्रामों में कड़कनाथ एवं नर्मदानिधि के मुर्गे–मुर्गीयों चूजो का वितरण

जबलपुर। दिनांक 20 दिसम्बर 2022 सें आज दिनांक 22 दिसम्बर 2022 तक नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के उद्धेश्यों के अनुरूप कुलपति माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी की अभिप्ररेणा एवं मार्गदर्शन में एकीकृत कृषि पद्धितयों के माध्यम से किसानों का शसक्तिकरण करने के लिये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा पोषित फार्मर फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत अंगीकृत ग्रामों में पड़रिया, सिलुवा, कैलवास, छत्तरपुर, देवरी, घाना, में कड़कनाथ मुर्गे–मुर्गीयों के लगभग 750 चूजों का वितरण किया गया। तथा अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत 21 दिसम्बकर 2022 को मंडला जिले के नारायणगंज तहसील के गढ़ार अंतर्गत अंगीकृत ग्राम में कड़कनाथ मुर्गे–मुर्गीयों के लगभग 500 चूजों का वितरण किया गया। आज दिनांक 22 दिसम्बर 2022 को मंडला जिले के बीजाडंडी अंतर्गत अंगीकृत ग्राम जमुनिया में नर्मदानिधि मुर्गे–मुर्गीयों के लगभग 500 चूजों का वितरण किया गया।

इसी तरह तीन दिवसों में विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत ग्रामों में कुल = 1750 चूजों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश कुमार शर्मा, डॉ. हरि. आर. परियोजना प्रमुख अन्वेषण, डॉ. सुमन कुमार, डॉ. अनिल शिंदे, उप अन्वेषण, श्री देवेश उपाध्याय, सीनियर रिसर्च फेलो, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे एवं आशीष यादव, विजय चौकसे, के साथ वेटनरी डॉ. महेश गुप्ता एवं जनपद सदस्य श्री गुलाब बरकड़े, नारायणगंज मंडला, श्री मति धर्मी बाई सरपंच गढ़ार का सहयोग सराहनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर